

पूर्व ज्ञान/ विषय वस्तु/ पाठ्येतर विषय वस्तु	अधिगम उद्देश्य	
	सामान्य	विशिष्ट
पूर्व ज्ञान: जल-चक्र ज्ञान पूर्वज्ञान संबन्धित प्रश्न- परिशिष्ट संख्या-16 अ/1 विषय वस्तु- * पानी की कहानी उपविषय वस्तु :- अ) पर्यावरण सजगता आ) आत्मकथा लेखन इ) वनस्पतिशास्त्र पाठ्येतर विषय वस्तु * अनुच्छेद लेखन * नारा लेखन * पत्रिका निर्माण	विद्यार्थी :- अ) ओस की बूँद के माध्यम से पृथ्वी पर जल के जीवन-चक्र को जान सकेंगे । आ) आत्मकथा लेखन विधा को जानकर अपनी आत्मकथा की महत्ता को समझ सकेंगे । इ) वनस्पतिशास्त्र के प्रति रुचि उत्पन्न होगी ।	विद्यार्थी :- अ) पृथ्वी निर्माण , जल की उत्पत्ति , वर्षा , नदी और समुद्र के अस्तित्व से परिचित हो जल के जीवन-चक्र को बना सकेंगे । अ) 2) बर्फ , ओस, भाप बाढ़-अकाल से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा कर उनके सकारात्मक हल लिख सकेंगे । अ)3)जल बचाव पर समूह में कलात्मक पत्रिका-निर्माण कर सकेंगे जिसमें वे अनुच्छेद, नारे ,कविता, मुहावरे आदि सभी का समावेश होगा । आ) पानी की आत्मकथा पढ़ने से पानी के नैतिक गुणों को लिख सकेंगे जिससे उनका नैतिक विकास होगा । इ) पेड़ों को पानी कैसे मिलता है -वनस्पति शास्त्र की सहायता से जानकर अपने ज्ञान में वृद्धि कर अपने घर में लगाए पौधों के प्रति अपना अनुभव लिख सकेंगे ।

गृहकार्य:- पाठ से संबंधित प्रश्न ।

क्रियाविधि:- पत्रिका निर्माण से संबंधित ।

अध्यापिका की गतिविधि	विद्यार्थियों की गतिविधि	पाठ पढ़ने के बाद अध्यापिका का मंतव्य तथा निराकरण
पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्न पूछेंगी:- परिशिष्ट संख्या :-16 अ/1 काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्ट संख्या :-16अ/2 अध्यापिका के निर्देशन में उचित बलाघात के साथ शुद्ध उच्चारण का ध्यान रखते हुए पाठ का वाचन करेंगे । अध्यापिका के निर्देशन में पाठ के भाव को आत्मसात कर पाठ के अंत में दिये प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास करेंगे । क्रियाकलाप हेतु क्रियाविधि :- परिशिष्ट संख्या :-16अ /3 अभ्यास हेतु कार्यपत्र :- परिशिष्ट संख्या :-16अ /4	पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देंगे:- परिशिष्ट संख्या :-16आ/1 काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि में भाग लेंगे । परिशिष्ट संख्या :-16आ/2 विद्यार्थी उचित बलाघात के साथ पाठ के शुद्ध उच्चारण में समर्थ होंगे । विद्यार्थी पाठ के अंत में दिये गए प्रश्नों के उत्तर देंगे। गतिविधि में भाग लेंगे। परिशिष्ट संख्या :-16आ/3 अभ्यास हेतु दिए गए कार्यपत्र को पूर्ण करेंगे। परिशिष्ट संख्या :-16आ/4	* पाठ पढ़ाने के बाद लिखा जाएगा ।

सहायक सामग्री :- पाठ्य-पुस्तक ,स्मार्ट बोर्ड एवं संलग्न प्रपत्र १ कार्यपत्र ,२ क्रियाकलाप का विवरण विधि:- १. पठन-पाठन विधि,२. उदाहरण विधि,३. काठिन्य निवारण विधि, ४. व्याख्या विधि ५.व्यास विधि
अन्तःविषय संबंध :- पर्यावरण ज्ञान, भाषा ज्ञान, आत्मिक ज्ञान ।
विद्यालय परिसर :- विद्यालय में अन्य सभी विद्यार्थियों को जल बचाने के लिए प्रेरित करेंगे ।

1.पूर्व ज्ञान से संबन्धित प्रश्न -परिशिष्ट संख्या -16अ/1

प्रश्न.1- क्या आप जल चक्र विषय के बारे में जानते हैं ?

उत्तर-1- जी हाँ ।

प्रश्न.2- पानी की तीन अवस्थाओं के नाम हिन्दी में बताइए ।

उत्तर-2- बर्फ (ठोस) , पानी (तरल) , गैस (भाप) ।

प्रश्न.3- क्या आपने कभी पानी की काल्पनिक आत्मकथा का अनुमान लगाया है ?

उत्तर-3- जी नहीं ।

कथन:- आइये “पानी की कहानी”पाठ को पढ़ कर जानते हैं कि किस प्रकार पानी की एक बूँद अपना रूप बदलते हुए करोड़ों वर्ष तक जीवित रहती है और जल-चक्र कैसे हमारे पर्यावरण में संतुलन बनाए रखने में मदद करता है ।

2.काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्ट संख्या -16अ/2

*कक्षा को चार समूहों में विभाजित किया जाएगा।

*प्रत्येक समूह एक ए-4 शीट पर निर्धारित अंश से कठिन शब्दों को लिखेगा ।

*समूह आपस में अदला-बदली कर अर्थ लिखने का प्रयास करेंगे।

*अध्यापिका उत्तर की पुष्टि कर विद्यार्थियों को उत्तर पुस्तिका पर अर्थ लिखने का निर्देश देंगी ।

(यथासंभव इस गतिविधि में परिवर्तन लाये जाएंगे यथा कभी विद्यार्थी चिट पर भी कठिन शब्दार्थ लिख सकते हैं या कभी अध्यापिका स्वयं चिट पर कठिन शब्द लिख कर अर्थ लिखने को कह सकती हैं ।)

3.क्रियाकलाप हेतु क्रिया विधि:- परिशिष्ट संख्या -16अ/3

- कक्षा के सभी विद्यार्थियों को चार-चार के समूह में विभाजित किया जाएगा ।
- अध्यापिका सभी समूहों को पत्रिका-निर्माण से जुड़ा कार्य क्रमानुसार देंगी । पहले तीन विद्यार्थी निम्नलिखित विषयों में से एक-एक विषय चयन करेंगे :-
 1. पाठ का सारांश लेखन
 2. जल-चक्र का चित्र निर्माण
 3. ‘जल ही जीवन है’- विषय पर अनुच्छेद लेखन
 4. ‘जल-बचाओ’ विषय पर नारा लेखन
 5. ‘जल है तो कल है’ पर आधारित स्वरचित कविता का निर्माण
 6. पानी से संबंधित मुहावरों का संकलन एवं लेखन
 7. जल को बचाने के उपाय लेखन
 8. पानी से संबंधित चार नारों का संकलन
 9. चौथा विद्यार्थी पत्रिका का मुख्य पृष्ठ, आखिरी पृष्ठ, शीर्षक,विषय सूची आदि तैयार करेगा।
- अंत में निर्धारित समय के अंतर्गत प्रत्येक कार्य को अंतिम रूप देते हुए उसे पत्रिका के रूप में प्रस्तुत करेंगे ।

मूल्यांकन के मानदण्ड :-

क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक-10
1	विषय की प्रस्तुति	3
2	प्रभावोत्पादकता	3
3	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	2
4	कार्य की पूर्णता	1
5	समयबद्धता	1

4.अभ्यास हेतु कार्यपत्र दिया जाएगा :- परिशिष्ट संख्या -16 अ/4

पाठ : पानी की कहानी
विद्यार्थी का नाम :

गतिविधि : पत्रिका - निर्माण
अनुक्रमांक :

गतिविधि से पूर्व कलात्मकता और चित्रात्मकता का ज्ञान :

गतिविधि करते हुए अनुभव :

जनता में किसी विषय के प्रति जागरूकता लाने के लिए पत्रिका के अतिरिक्त साधन :

